डीएवीवी के आईईटी हॉस्टल कैंपस में बीटेक के छात्रों ने मचाया तांडव

- दारू बदनाम कर दी गाने पर अर्धनग्न होकर किया डांस
- पानी की टंकी, टेबल-कुर्सी में की तोड़फोड़

नव भारत न्यूज

इंदौर. देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के आईईटी डिपार्टमेंट स्थित रामानुजनम बी हॉस्टल में रविवार तड़के फाइनल ईयर के छात्रों ने जमकर उत्पात मचाया. दारू बदनाम कर दी फिल्मी गाने पर अर्धनग्न हालत में डांस किया, पानी की टंकी और टेबल-कुर्सियां फेंकी और तोड़फोड़ की. छात्रों के इस तांडव का वीडियो सामने आने के बाद यूनिवर्सिटी प्रशासन हरकत में आया. कुलगुरु प्रो. राकेश सिंघई ने छात्रों की पहचान कर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं.

घटना रविवार सुबह करीब 4 बजे के बाद की बताई जा रही है. वायरल वीडियो में हॉस्टल के भीतर बड़ी संख्या में छात्र अर्धनग्न होकर तेज आवाज में गानों पर डांस करते नजर आ रहे हैं. कुछ छात्र पहली मंजिल से नीचे खड़े साथियों पर बाल्टियों से पानी फेंकते दिख रहे हैं, वहीं नीचे मौजूद छात्र शोर-शराबे के बीच झूम रहे हैं. हंगामे के दौरान छात्रों ने हॉस्टल में जमकर तोड़फोड़ की. प्लास्टिक की कुर्सियां, टेबल और पानी की टंकी तोड़ दी गई. खिड़कियों के कांच फोड़ दिए और अन्य सामान इधर-उधर फेंक दिया.

बियर की खाली कैन, सिगरेट पैकेट और अन्य नशीले पदार्थों के अवशेष मिले: पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. परिसर में बियर की खाली कैन, सिगरेट के पैकेट और अन्य नशीले पदार्थों के अवशेष भी मिले हैं. मामला सामने आते ही यूनिवर्सिटी प्रबंधन एक्शन मोड में आ गया है. आईईटी डिपार्टमेंट के निदेशक डॉ. प्रतोष बंसल ने रिपोर्ट कुलगुरु को सौंप दी है. कुलगुरु प्रो. सिंघई ने स्पष्ट किया है कि घटना में शामिल छात्रों की पहचान की जा रही है. उन पर आर्थिक दंड के साथ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी. बताया जा रहा है कि उत्पात मचाने वाले सभी छात्र फाइनल ईयर के हैं.

छात्रों की हरकत निंदनीय है, जांच पश्चात दोषियों पर होगा सख्त एक्शन

आईईटी कैंपस के प्रोफेसर प्रतोष बैंसल ने बताया कि सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया है. उन्होंने आशंका जताई कि छात्र संभवत: नशे की हालत में थे. सामान्य स्थिति में कोई इस तरह की हरकत नहीं कर सकता. पूरे मामले की जांच कराई जाएगी. प्रोफेसर बंसल के अनुसार रामानुजन हॉस्टल में करीब 150 छात्र रहते हैं. उन्होंने कहा कि बीटेक फाइनल ईयर के छात्रों द्वारा की गई यह हरकत बेहद निंदनीय है. मामले की जानकारी छात्रों के अभिभावकों को भी दे दी गई है.

खतरनाक आग पर भी अब होगा रोबोट का वार

- दमकल अमले के लिए काफी उपयोगी साबित हो रही ये हाईटेक मशीन
- 2 करोड़ की यह मशीन मुश्किल हालातों में भी हो रही सफल

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर में आग बुझाने की तकनीक अब हाईटेक हो गई है. दमकल अमले को राहत देने के लिए 2 करोड़ रुपए का अत्याधुनिक फायर फाइटर रोबोट तैनात किया है, जो भीषण आग और खतरनाक हालात में भी बिना रुके काम कर रहा है. रिमोट से संचालित यह मशीन अब कई घटनाओं में इस्तेमाल होकर अपनी उपयोगिता साबित कर चुकी है.

यह रोबोट उन जगहों पर भी आसानी से पहुंच जाता है, जहां तेज गर्मी और धुएं के कारण दमकलकर्मियों का टिक पाना मुश्किल हो जाता है. कैमरों और सेंसर से लैस यह मशीन कंट्रोल रूम से ही ऑपरेट होती है, जिससे मौके की लाइव स्थिति साफ दिखाई देती है. करीब एक माह पहले दमकल अमले में शामिल किए गए इस रोबोट को चलाने के लिए फायर स्टाफ को विशेष प्रशिक्षण भी दिया गया है. हाल ही में शहर के नावदा पंथ क्षेत्र में प्लास्टिक फैक्ट्री में लगी आग, परदेशीपुरा, सिटी फॉरेस्ट और पीथमपुर की घटनाओं में इसका उपयोग किया जा चुका है, जहां इसने आग पर काबू पाने में अहम भूमिका निभाई. नगर निगम अधिकारियों के अनुसार, यह रोबोट फायर टैंकर से सीधे कनेक्ट होकर काम करता है और लंबे समय तक एक ही जगह टिककर पानी डाल सकता है. जहां इंसानी पहुंच मुश्किल होती है, वहां यह मशीन बिना जोखिम के अंदर तक जाकर आग बुझाने में मददगार साबित हो रही है.

अत्याधुनिक फायर फाइटर रोबोट की ये हैं विशेषताएं...

यह टैंक जैसी बनावट वाला अनमैन्ड ग्राउंड व्हीकल है, जो ऊबड़ खाबड़ रास्तों, मलबे और सीढ़ियों पर भी बिना अटके आगे बढ़ता है. रोबोट में हाई प्रेशर वाटर और फोम सिस्टम लगा है, जिससे दूर से ही आग पर काबू पाया जा सकता है. थर्मल इमेजिंग कैमरा घने धुएं में भी गर्मी के स्रोत और संभावित लोगों की पहचान कर लेता है. करीब 1.5 किलोमीटर दूर से इसे ऑपरेट किया जा सकता है, जबकि 500 डिग्री सेल्सियस तक के तापमान में भी यह काम करता है. वहीं एक बार चार्ज होने पर यह 8 से 10 घंटे तक सक्रिय रह सकता है. यह मशीन तेल गैस संयंत्र, केमिकल इंडस्ट्री, बड़े गोदाम, ट्रांसफॉर्मर फायर और औद्योगिक हादसों जैसी जोखिम भरी जगहों पर खासतौर पर कारगर है. इसके अलावा यह 500 किलो तक का वजन हटाने या उठाने में भी सक्षम है.

पुलिस के निर्माणाधीन भवन की 8वीं मंजिल से गिरे मजदूर की मौत

- सदर बाजार फर्स्ट बटालियन की घटना

इंदौर. सदर बाजार थाना क्षेत्र स्थित फर्स्ट बटालियन में पुलिस विभाग की एक नई इमारत का निर्माण कार्य चल रहा है. निर्माण कार्य के दौरान एक युवा मजदूर आठवीं मंजिल से गिर गया, इसमें उसकी जान चली गई.

मृतक का नाम पंकज पिता मुकेश (22) बताया गया है, जो मूलत: देवरिया, उत्तर प्रदेश का रहने वाला था. पंकज लंबे समय से इंदौर में रहकर मजदूरी का काम कर रहा था. जब वह फर्स्ट बटालियन परिसर में बन रही पुलिस की निर्माणाधीन बहुमंजिला इमारत की आठवीं मंजिल पर काम कर रहा था, तभी अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और वह सीधे नीचे आ गिरा. ऊंचाई अधिक होने के कारण नीचे गिरते ही पंकज को गंभीर चोटें आईं. घटनास्थल पर मौजूद अन्य मजदूरों और सुरक्षाकर्मियों ने उसे आनन-फानन में उसे अस्पताल पहुंचाया, लेकिन गंभीर आंतरिक चोटों के कारण उसकी मौत हो चुकी थी. अस्पताल में डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है.

सड़क हादसों में घायल दो की मौत

इंदौर. खुड़ैल थाना इलाके में सड़क हादसे में घायल दो युवकों ने इलाज के दौरान इंडेक्स अस्पताल में दम तोड़ दिया. दोनों युवकों का इलाज चल रहा था. अब खुड़ैल पुलिस दोनों मामलों में मर्ग कायम कर जांच कर रही है. हादसे में मारे गए युवकों के नाम गोविंद पिता कमल रावत (32) निवासी मोरोद हाट खुड़ैल और अभिजीत पिता भरत (25) निवासी अकबरपुर बताए गए हैं.

सूने फ्लैट का ताला तोड़कर डेढ़ लाख से अधिक की चोरी

इंदौर. चोरों ने तिलक नगर थाना क्षेत्र के एक बहुमंजिला अपार्टमेंट को अपना निशाना बनाया. बदमाश सूने घर से करीब डेढ़ लाख रुपए नकद एवं अन्य सामान चोरी कर फरार हो गए.

पुलिस के अनुसार, घटना वैभव नगर स्थित रौनक प्रथम पैराडाइज अपार्टमेंट की है. यहां रहने वाले फरियादी दिग्विजय सिंह तोमर पिता दशरथ सिंह तोमर निवासी फ्लैट नंबर 513 ने थाने में चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई है. दिग्विजय सिंह ने पुलिस को बताया कि वे किसी काम से बाहर गए हुए थे. जब वे शाम करीब 6 बजे अपने घर वापस लौटे, तो फ्लैट के मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ देखकर वे घबरा गए. जब वे फ्लैट के भीतर दाखिल हुए और कमरे में जाकर देखा, तो वहां रखी लोहे की अलमारी खुली हुई थी और सामान बिखरा पड़ा था. चोरों ने अलमारी को निशाना बनाते हुए उसमें रखे 1 लाख 50 हजार रुपये नकद और एक फिलिप्स कंपनी का सेविंग ट्रिमर चोरी कर लिया था. कोई अज्ञात शातिर चोर सूने फ्लैट की रेकी कर इस वारदात को अंजाम देकर निकल गया.

एक नजर में

महू के सिमरोल क्षेत्र की 3 पटाखा इकाइयां सील

महू. देवास में पटाखा फैक्ट्री में हुए धमाके के बाद प्रशासन महू क्षेत्र में पूरी तरह सतर्क हो गया है. कलेक्टर के निर्देश पर रविवार को महू में बड़ी कार्रवाई की गई, जिसमें सिमरोल क्षेत्र की तीन पटाखा निर्माण इकाइयों को सील कर दिया गया. पुलिस अधीक्षक इंदौर ग्रामीण राजेंद्र कुमार वर्मा, एसडीएम महू राकेश परमार, डीएसपी हेड क्वार्टर उमाकांत चौधरी, थाना प्रभारी कुलदीप खत्री और तहसीलदार राधावल्लभ सहित पुलिस व प्रशासन की एक संयुक्त टीम ने सिमरोल और आसपास के इलाकों में संचालित पटाखा निर्माण इकाइयों का औचक निरीक्षण किया. जांच के दौरान, सिमरोल क्षेत्र के दतोदा और घोसीखेड़ा में संचालित दो सुतली बम निर्माण फटाका वर्क्स और एक गोदाम में गंभीर अनियमितताएं पाई गईं. एक स्थान पर अवैध शेड बनाकर पटाखों का भंडारण किया जा रहा था, जो नियमों का उल्लंघन था. सुरक्षा व्यवस्था में भारी कमी और संभावित खतरे को देखते हुए, एसडीएम राकेश परमार ने तत्काल तीनों इकाइयों को सील करने का आदेश दिया.

पाइप लाइन नहीं, फाउंटेन लाइन बन गई नर्मदा योजना

महू. शहर इन दिनों दो चीजों के लिए मशहूर हो रहा है. एक, हर दूसरे दिन फूटती नर्मदा पाइप लाइन और दूसरा, उसे सुधारने के नाम पर किया जा रहा जुगाड़ विज्ञान. हालत यह है कि पिछले दो माह के भीतर ही महज 1 किलोमीटर के दायरे में चार-चार जगह पाइप लाइन लीकेज हो चुकी है, जिससे सड़कें रोज नर्मदा स्नान कर रही हैं. जानकारी के मुताबिक, पोस्ट ऑफिस रोड पर पानी सड़क पर बह रहा है, जनपद पंचायत चौराहा और कलाली चौराहे पर खुदाई चल रही है और श्याम विलास चौराहे पर तो इंजीनियरिंग का ऐसा नमूना पेश किया गया है कि अच्छे-अच्छे तकनीकी संस्थान भी माथा पकड़ लें. यहां पाइप लाइन बार-बार फूटी तो जिम्मेदारों ने समाधान निकाला कि पत्थर रख दो... बस फिर सड़क के बीच बड़े-बड़े पत्थर पटक दिए गए और मान लिया गया कि अब नर्मदा भी डरकर सीधी बहने लगेगी. इधर, लोग भी कह रहे हैं कि जिस शहर में 50 साल से अधिक पुरानी पाइप लाइन से वर्तमान की आबादी को पानी पिलाने की कोशिश होगी, वहां पाइप कम और फव्वारे ज्यादा फूटेंगे ही. शहर में रोजाना हजारों लीटर नर्मदा जल बहकर बर्बाद हो रहा है. कई मोहल्लों में सप्लाई प्रभावित हो रही है, जबकि सड़कें तालाब बन रही हैं. लोगों का कहना है कि बार-बार लीकेज सुधार के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की जा रही है.

अमित उपाध्याय बने तहसील अध्यक्ष, आकाश राठौर महासचिव

महू. भारतीय श्रमजीवी पत्रकार महासंघ (नई दिल्ली) की मप्र इकाई द्वारा इंदौर जिले की कार्यकारिणी की घोषणा भव्य समारोह में की गई, जिसमें जिले के साथ-साथ तहसीलों के पदाधिकारियों की भी नियुक्ति की गई. नवनियुक्त तहसील कार्यकारिणी में विनोद शर्मा को जिलाध्यक्ष और प्रवीण जैन को महासचिव नियुक्त किया गया है. उपाध्यक्ष अंकित राठौर, यत्नेश सेन, धर्मेंद्र सोलंकी, पूर्णिमा बीसे, सचिव जितेश पाठक, उदय सिंह चावड़ा, कमल चौधरी, संयुक्त सचिव महेश शर्मा (टोनी) नियुक्त किए गए. वहीं, महू तहसील अध्यक्ष पद पर युवा पत्रकार अमित उपाध्याय व महासचिव आकाश राठौर को नियुक्त किया गया. संयोजन आलोक शर्मा (अकेला), डॉ. पंकज विरमाल, नवनीत शुक्ला, ऋषिकांत श्रीवास्तव ने किया.

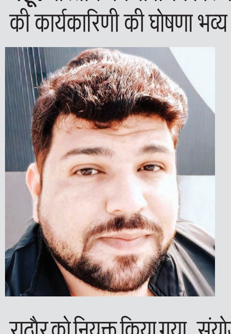

आकस्मिक निरीक्षण में सांवेर थाना प्रभारी नदारद मिले

- एसपी राजेंद्र कुमार वर्मा ने किया जवाब तलब

इंदौर. जिले में थानों के आकस्मिक निरीक्षण के दौरान सांवेर थाने में थाना प्रभारी अनुपस्थित मिलने पर एसपी ने कड़ा रुख अपनाते हुए जवाब तलब किया है. साथ ही मामले में प्राथमिक जांच के निर्देश दिए हैं.

एसपी राजेंद्र कुमार वर्मा इन दिनों बिना पूर्व सूचना के थानों में पहुंचकर व्यवस्था का जायजा ले रहे हैं. जिसके तहत वे सांवेर थाने पहुंचे, जहां थाना प्रभारी मौजूद नहीं मिले. बाद में जानकारी सामने आई कि एक दिन पहले उनकी गश्त ड्यूटी थी. गश्त के बाद वे इंदौर चले गए थे और शाम 6 बजे थाने लौटना था, लेकिन वे नहीं पहुंचे.

इस पर एसपी ने नाराजगी जताते हुए इसे लापरवाही और गैर जिम्मेदाराना व्यवहार बताया. उन्होंने स्पष्ट किया कि कोई भी थाना प्रभारी बिना अनुमति के थाना नहीं छोड़ सकता. इस तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी. बताया जा रहा है कि इससे पहले भी एसपी शिप्रा थाना और मांगलिया चौकी में इसी तरह औचक निरीक्षण कर चुके हैं.

ब्राउन शुगर तस्करी का फरार आरोपी 2 पिस्टल के साथ धराया

- दूसरे राज्यों से अवैध हथियार लाकर इंदौर में खपाता था

इंदौर. शहर में अवैध मादक पदार्थों और हथियारों की खरीद-फरोख्त करने वाले नेटवर्क को ध्वस्त करने में जुटी क्राइम ब्रांच ने एक और बड़ी कामयाबी हासिल की है. पुलिस ने पूर्व में पकड़े गए ड्रग तस्करों की कॉल डिटेल और पूछताछ के आधार पर फरार सप्लायर को दबोच लिया है. पकड़ा गया आरोपी दूसरे राज्यों से अवैध हथियार लाकर इंदौर में खपाने का काम भी करता है.

डीसीपी राजेश त्रिपाठी ने बताया कि पुलिस ने कुछ समय पहले सौरभ, गौरव और साहिल नामक तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया था. इन आरोपियों के कब्जे से लगभग 15 ग्राम अवैध मादक पदार्थ ब्राउन शुगर बरामद की गई थी, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब डेढ़ लाख आंकी गई थी. इस मामले में पुलिस कड़ियां जोड़ते हुए मुख्य सप्लायरों की तलाश कर रही थी. आरोपी साहिल के मोबाइल फोन की जांच, तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर से मिली सटीक सूचना के आधार पर पुलिस को इस पूरे नेटवर्क के एक और अहम किरदार की जानकारी मिली. पुलिस को पूछताछ में पता चला कि विमल श्रीवास पिता निवासी परदेशीपुरा घटना के दिन से ही लगातार फरार चल रहा था और पुलिस की आंख में धूल झोंक रहा था. क्राइम ब्रांच ने घेराबंदी कर उसे धरदबोचा. जब क्राइम ब्रांच की टीम ने आरोपी विमल श्रीवास की तलाशी ली, तो उसके पास से 2 अवैध पिस्टल बरामद हुईं. पुलिस पूछताछ में खुलासा हुआ कि वह अन्य राज्यों से अवैध हथियार खरीदकर इंदौर शहर के स्थानीय अपराधियों और सप्लायरों को उपलब्ध करवाता था.

आरोपी पर पहले से भी दर्ज हैं आर्म्स एक्ट के प्रकरण

पुलिस के मुताबिक, विमल पर पहले भी शहर के विभिन्न थानों में आर्म्स एक्ट के तहत कई प्रकरण दर्ज हैं. पकड़े गए आरोपी विमल श्रीवास ने केवल 10वीं कक्षा तक ही पढ़ाई की है. समाज और पुलिस की नजरों से बचने के लिए वह एक प्राइवेट जॉब करता था, जिसकी आड़ में वह हथियार और नशा तस्करी के इस काले कारोबार को अंजाम दे रहा था.

सिकलीगर कनेक्शन से लॉरेंस गैंग तक पहुंचते थे हथियार

- लॉरेंस गैंग का गिरफ्तार गुर्गा उगल रहा नए-नए राज

नव भारत न्यूज

इंदौर. लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े गुर्गे कुलदीप चौहान ने पुलिस पूछताछ में बड़ा खुलासा किया है. उसने बताया कि वह सिकलीगर नेटवर्क के जरिए देसी पिस्टल लाकर गैंग तक पहुंचाता था. इन्हीं हथियारों का इस्तेमाल खरगोन में कॉटन व्यापारी के यहां हुई फायरिंग में किया था. मामले में अब पुलिस हथियार सप्लाई करने वाले एजेंट की तलाश में जुटी है.

ज्ञात हो, क्राइम ब्रांच की एसआईटी बिल्डर विवेक दम्मानी को हेरी बॉक्सर के नाम पर मिली रंगदारी धमकी के मामले में जांच कर रही है. इसी कड़ी में राजपाल चंद्रावत और कुलदीप चौहान को जेल से रिमांड पर लेकर पूछताछ की गई. वहीं सोनू उर्फ रितेश, रोहित उर्फ नाना और सचिन आर्य को भी गिरफ्तार किया जा चुका है. पूछताछ में कुलदीप ने अधिकारियों को बताया कि वह सिकलीगर के एक एजेंट से देसी पिस्टल लेकर गैंग के गुर्गों को सप्लाई करता था. खरगोन जिले के कसरावद में कॉटन व्यापारी के यहां हुई फायरिंग के लिए भी उसने ही हथियार उपलब्ध कराए थे. उसने ये पिस्टल आरोपी किशनलाल से लिए और देवास के राहुल उर्फ बाबा को दिए थे. बाबा के बेटे ने ही फायरिंग की वारदात को अंजाम दिया था. पुलिस के अनुसार, राहुल उर्फ बाबा पर इंदौर क्राइम ब्रांच ने 10 हजार और खरगोन पुलिस ने 15 हजार रुपए का इनाम घोषित कर रखा है. वहीं किशनलाल पर भी खरगोन पुलिस ने इनाम घोषित किया है. दोनों फरार आरोपियों की तलाश जारी है और पूरे नेटवर्क को खंगाला जा रहा है.

सेंट्रल जेल में मुलाकात के दौरान कैदी भिड़े, जेल स्टॉफ ने संभाली स्थिति

इंदौर. सेंट्रल जेल में शनिवार को मुलाकात के दौरान कैदियों के बीच हुई मामूली कहासुनी ने देखते ही देखते हिंसक हो गया. समय रहते जेल स्टाफ ने हस्तक्षेप कर हालात संभाले, जबकि घटना के बाद सुरक्षा व्यवस्था और सख्त कर दी गई है.

जेल नंबर 6 की बैरक में बंद कैदियों के बीच यह घटना उस वक्त हुई, जब मुलाकात खिड़की पर बाहर से मुलाकाती फोन के जरिए कैदियों से बातचीत कर रहे थे. बताया जा रहा है कि जेल में बंद नंदानगर निवासी कृष्णपाल सिंह उर्फ डॉन के जन्मदिन पर उसके परिचित उससे मिलने पहुंचे थे और इसी दौरान उनकी बातचीत चल रही थी. इसी बीच लाइन को लेकर विवाद शुरू हुआ. इसमें अनवर डकैत और हेमंत यादव के बीच पहले तीखी बहस हुई, जो कुछ ही पलों में धक्का मुक्की में बदल गई. हालात बिगड़ते देख कृष्णपाल सिंह भी बीच में कूद पड़ा और फिर दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए. जेल प्रहरियों ने तत्काल मोर्चा संभालते हुए कैदियों को अलग किया और मुलाकात प्रक्रिया रोक दी.

घटना के बाद जेल में बढ़ाई अतिरिक्त सतर्कता

घटना के बाद जेल में अतिरिक्त सतर्कता बढ़ा दी गई है. अनवर डकैत को अतिरिक्त सुरक्षा में रखा गया है और बैरक के आसपास निगरानी भी बढ़ा दी गई है. सूत्रों का कहना है कि जेल में कुछ कैदियों का दबदबा बना हुआ है और मुलाकात व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं. नियमों में तय सीमा के बावजूद बार-बार मुलाकात होने की चर्चाएं भी सामने आ रही हैं. फिलहाल प्रशासन इस पूरे मामले पर चुप्पी साधे हुए है.

एक नजर में ▶ नर्मदा लाइन में कम प्रेशर से और केवल 15 मिनट पानी आने से स्थिति गंभीर, निगम के टैंकर अपर्याप्त, निजी टैंकर दोगुने रेट पर बेच रहे पानी

भीषण गर्मी के चलते वार्ड 50 में पानी के लिए हाहाकार

इंदौर. भीषण गर्मी के इस मौसम में शहर के वाशिंदे गंभीर जल संकट से जूझ रहे हैं. कई क्षेत्रों में पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है. हालांकि नगर निगम द्वारा शहर के अधिकांश क्षेत्रों में नर्मदा लाइन के बावजूद कम प्रेशर से पानी आने और बोरिंग बंद होने से स्थिति गंभीर हो गई है. नगर निगम टैंकरों से आपूर्ति नहीं कर पा रही है. परिणामस्वरूप निजी टैंकर वाले दोगुनी दर पर पानी बेच रहे हैं. इससे निवासियों में भारी नाराजगी है.

पिपलियाहाना क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 50 अंतर्गत चौहान नगर, दीपक नगर में पेयजल संकट लगातार गहराता जा रहा है. लोग एक-एक बाल्टी पानी के लिए जद्दोजहद करते दिखाई दे रहे हैं. भीषण गर्मी के बीच रहवासी पानी के लिए परेशान हैं. क्षेत्र की इस समस्या को लेकर पूर्व में नवभारत ने प्रमुखता से समाचार प्रकाशित किया था, जिस पर वार्ड पार्षद ने जल्द समाधान का आश्वासन दिया था, लेकिन स्थिति अब भी जस की तस बनी हुई है. रहवासी बूंद-बूंद पानी को तरस रहे हैं. रहवासियों के अनुसार नगर निगम के पानी के टैंकर अपर्याप्त हैं, वे नियमित रूप से नहीं पहुंच रहे हैं. नलों में मात्र 15 मिनट तक पानी आता है, वह भी बहुत ही कम प्रेशर से, जिससे जरूरत पूरी नहीं हो पाती. मजबूरी में लोगों को निजी टैंकरों से पानी खरीदना पड़ रहा है. निजी टैंकर दोगुने रेट पर पानी बेच रहे हैं. क्षेत्र का बोरवेल लंबे समय से खराब पड़ा है, जिसकी कई शिकायतों के बावजूद अब तक मरम्मत नहीं हुई.

यह बोले रहवासी...

मात्र 10 से 15 मिनट नर्मदा का पानी आता है, वह भी कम प्रेशर से, ऐसे में पानी की पूर्ति होना बहुत मुश्किल हो चला है, जरूरत के पानी के लिए क्षेत्रवासियों को इधर-उधर भटकना पड़ता है. - अनीता चौहान

क्षेत्र का बोरिंग लंबे समय से बंद पड़ा हुआ है, पानी टंकी भी एक तरफ पड़ी कबाड़ हो रही है. क्षेत्र में पानी की किल्लत को दूर करने के लिए क्षेत्र में बोरिंग होना जरूरी है. - बरजी बाई

पानी की किल्लत तो कई समय से चल रही है. कभी-कभी पूरी तरह से गंदा पानी आता है, पानी बिलकुल नहीं मिल पाता, अधिकतर लोग निजी टैंकर से पानी खरीदकर गुजारा कर रहे हैं. - कैलाश चौहान

बोरिंग की लाइन बिछाने का लेटर लगा दिया है, शीघ्र काम शुरू हो जाएगा

सिंटेक्स की टंकी फूट चुकी थी, दूसरी लगवा दी है, दीपक नगर में बोरिंग की लाइन बिछाने के लिए नगर निगम में लेटर लगा दिया गया है, जल्द ही क्षेत्रवासियों को पानी की सुविधा का लाभ मिलेगा. - राजीव जैन, पार्षद